

# भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय  
कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग  
नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979  
(1979 का 5वां) के अधीन  
अधीनस्थ विधान  
(31.12.2010 तक संशोधित)

## नारियल विकास बोर्ड नियम, 1981

1\* सा.का.नि. 34(अ) दिनांक 28 जनवरी 1981 -  
केन्द्रीय सरकार, नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979  
(1979 का 5वां) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

### अध्याय 1 प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:- (1) इन नियमों का नाम  
नारियल विकास बोर्ड नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त  
होंगे।

2. परिभाषाएं:- इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से  
अन्यथा अपेक्षित न हो -

- (क) “अधिनियम” से नारियल विकास बोर्ड अधिनियम  
1979 (1979 का 5वां) अभिप्रेत है;
- (ख) “समिति” से बोर्ड द्वारा धारा 9 के अधीन नियुक्त  
की गई कोई समिति अभिप्रेत है;
- (ग) “सचिव” से बोर्ड का सचिव अभिप्रेत है;
- (घ) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;
- (ङ) “उपाध्यक्ष” से बोर्ड का उपाध्यक्ष अभिप्रेत है;

- (च) “मुख्य नारियल विकास अधिकारी” से धारा 7  
की उपधारा (2) के अधीन नियुक्त किया गया  
मुख्य नारियल विकास अधिकारी अभिप्रेत है;
- (छ) ऐसे अन्य शब्दों और पदों के, जो प्रयुक्त हुए हैं  
और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में  
परिभाषित है, क्रमशः वे ही अर्थ होंगे जो उस  
अधिनियम में उनके हैं।

### अध्याय 2

#### बोर्ड और उसकी समितियाँ

3. सदस्यों के रिक्त स्थान भरे जाने की रीति:- (1)  
केन्द्रीय सरकार, धारा 4 की उपधारा (4) के खण्ड  
(च), (झ), (ज) और (ट) में विनिर्दिष्ट हितों के प्रतिनिधि  
को नियुक्त करने के पूर्व, यदि वह ठीक समझे, ऐसा  
परामर्श कर सकेगी।

(2) यदि बोर्ड के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती  
है या वह त्यागपत्र दे देता है या यह समझा जाता है कि  
उसने त्यागपत्र दे दिया है या पद से हटाया जाता है या  
कार्य करने में असमर्थ हो जाता है, तो केन्द्रीय सरकार,  
राजपत्र में अधिसूचना द्वारा उस रिक्त स्थान को भरने के  
लिए किसी व्यक्ति को नियुक्त कर सकती है:

---

1\* भारत के राजपत्र में प्रकाशित, असाधारण, 1981, भाग II, धारा 3(i) क्र.सं.27

परन्तु यदि रिक्त स्थान ऐसा है जिसे पदमुक्त होनेवाला सदस्य, धारा 4 की उपधारा (4) के खण्ड (ड) के अधीन लोकसभा की अपनी सदस्यता के आधार पर धारण किया हुआ था तो उस रिक्त स्थान में अगले व्यक्ति की नियुक्ति संसद के उस सदन द्वारा, जिसका पदमुक्त होनेवाला व्यक्ति सदस्य था, नए निर्वाचन के आधार पर की जाएगी।

4. सदस्यों की पदावधि:- इसमें इसके पश्चात् जैसा उपबन्धित है, उसके सिवाय -

- (i) सदस्य अपनी नियुक्ति की तारीख से अधिक से अधिक तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा;
- (ii) धारा 4 की उपधारा (4) के अधीन नियुक्त किया गया सदस्य उस दशा में बोर्ड का सदस्य नहीं रह जाएगा जब वह संसद के उस सदन का, जिससे वह इस प्रकार विनिर्वाचित हुआ था, सदस्य नहीं रह जाता है, या उस प्रवर्ग/हित का प्रतिनिधि नहीं रह जाता है जिसके लिए वह इस प्रकार नियुक्त किया गया था;

परन्तु सदस्य पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होगा।

(2) नियम 3 के उपनियम (2) के अधीन किसी आकस्मिक रिक्ति को भरे जाने के लिए नियुक्त व्यक्ति, तब तक पद धारण करेगा जब तक कि वह सदस्य, जिसके स्थान पर उसे नियुक्त किया गया है, रिक्ति न होने की दशा में पद धारण करने का हकदार रहता।

5. त्यागपत्र:- (1) किसी सदस्य का पद उस तारीख से, जिस तारीख को उसका त्यागपत्र स्वीकार किया जाता है या त्यागपत्र की सूचना प्राप्त होती है, तीस दिन के अवसान पर, इनमें जो भी पूर्वतर है, रिक्त होगा।

(2) किसी सदस्य का त्यागपत्र स्वीकार करने की शक्ति अध्यक्ष में निहित होगी, जो त्यागपत्र स्वीकार करके उसकी रिपोर्ट, बोर्ड को उसके अगले अधिवेशन में करेगा।

6. बोर्ड से हटाया जाना:- केन्द्रीय सरकार, ऐसे किसी सदस्य को पद से हटा सकेगी जो -

- (क) विकृतचित है और किसी सक्षम न्यायालय ने जिसे ऐसा घोषित किया है, या
- (ख) अन्नमोचित दिवालिया है, या
- (ग) किसी ऐसे अपराध के लिए सिद्धदोष किया गया है जिसमें नैतिक अधमता अन्तर्वलित है, या
- (घ) अध्यक्ष की अनुमति के बिना बोर्ड के तीन क्रमवर्ती अधिवेशनों में हाज़िर रहने में असफल रहता है।

7. भारत से अनुपस्थिति:- यदि बोर्ड का कोई सदस्य भारत से बाहर जाता है तो जाने से पूर्व वह -

- (क) बोर्ड के सचिव को भारत से अपने प्रस्थान और प्रत्याशित वापसी की तारीख प्रज्ञापित करेगा;
- (ख) उस दशा में अपना त्यागपत्र निविदित करेगा जब उसकी भारत से अनुपस्थिति की आशायित अवधि छः मास से अधिक की है।

8. सदस्यता-नामावली:- सचिव सदस्यों के नाम और उनके पतों का अभिलेख रखेगा।

9. पते में परिवर्तन:- सदस्य अपने पते में किसी भी परिवर्तन की सूचना सचिव को देगा और यदि वह पते में ऐसे परिवर्तन की सूचना देने में असफल रहता है तो शासकीय अभिलेखों में दर्ज उसका पता, सभी प्रयोजनों के लिए, उसका सही पता समझा जाएगा।

**\*10. अध्यक्ष:-** अध्यक्ष के पद पर निम्नलिखित प्रक्रिया तथा योग्यताओं के अनुसार भर्ती की जाएगी, नामतः :-

- (i) भर्ती की विधि:- प्रतिनियुक्ति पर (अल्पकालीन अनुबंध सहित)
- (ii) योग्यताएं, अनुभव आदि:- केन्द्र सरकार या राज्य सरकारों या संघ शासित क्षेत्रों या मान्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थाओं या कृषि विश्वविद्यालयों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों में से जो -
  - (क) भारत सरकार में संयुक्त सचिव के ग्रेड में नियमित आधार पर पदभार ग्रहण किए हो; या
  - (ख) 37,400-67,000 रुपए (वेतन बैंड-4) तथा ग्रेड वेतन 8,700 रुपए वेतनमान या वेतन बैंड में या इसके समकक्ष स्तर पर किसी पद पर पांच वर्षों की नियमित सेवा कर चुके हों तथा निम्नलिखित शैक्षणिक योग्यताएं तथा अनुभव रखते हों -

नारियल विकास के क्षेत्र में पांच वर्षों के अनुभव सहित बागवानी विकास/अनुसंधान/उत्पादन/विस्तार में कम से कम पन्द्रह वर्षों के साथ किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बागवानी या सजीव विज्ञान में पीएचडी; या

बागवानी विकास में दस वर्षों का अनुभव जिसमें पांच वर्षों का अनुभव नारियल विकास के क्षेत्र में होना चाहिए सहित कम से कम बीस वर्षों के प्रबंधकीय अनुभव सहित प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि।

**टिप्पणी:** प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः पांच वर्षों से अधिक नहीं होगी या उम्मीदवार की आयु साठ वर्ष होने तक, इसमें जो पहले हो, होगी।

**11. उपाध्यक्ष:-** (1) बोर्ड हर वर्ष अपने सदस्यों में से, एक उपाध्यक्ष का निर्वाचन, ऐसे निर्वाचन की तारीख से, या यदि निर्वाचन किसी विद्यमान उपाध्यक्ष की पदावधि के अवसान के पूर्व किया जाता है तो उस तारीख से, जिस तारीख को ऐसा उपाध्यक्ष पद रिक्त करेगा, बारह मास की अवधि के लिए करेगा।

**\*\* (2)** यदि उपाध्यक्ष के पद पर त्यागपत्र या उसकी सदस्यता समाप्त होने के कारण या अन्यथा रूप से कोई आकस्मिक रिक्ति होती है, बोर्ड अपनी बैठक में अपने सदस्यों में से उपाध्यक्ष के पद पर किसी अन्य सदस्य का चयन करेगा जो बारह माह की पूर्ण अवधि के लिए या बोर्ड के सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल की समाप्ति तक इसमें जो पहले हो, पर बने रहेगा।

### अध्याय 3

#### बोर्ड/बोर्ड के अधीन समिति के सदस्यों और बोर्ड द्वारा सहयुक्त व्यक्तियों के यात्रा और अन्य भत्ते

**12. बोर्ड और उसकी समितियों के सदस्यों और धारा 4(8) के अधीन बोर्ड से सहयुक्त व्यक्तियों या धारा 9(2) के अधीन उसकी समितियों के सदस्य के रूप में सहयोजित सदस्यों के यात्रा और अन्य भत्ते:-** (1) बोर्ड या उसकी समितियों का कोई सदस्य या धारा 4(8) के अधीन बोर्ड से सहयुक्त कोई व्यक्ति या धारा 9(2) के अधीन किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोजित कोई व्यक्ति, जो सरकारी सेवक नहीं है, बोर्ड के या उसकी सम्यक्तः गति समिति के किसी अधिवेशन में सम्मिलित होने के प्रयोजन के लिए या बोर्ड या संबद्ध समिति द्वारा उसे समनुदेशित किसी कर्तव्य के अनुपालन के लिए की गई किसी यात्रा की बाबत, केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए नियमों या किए गए आदेशों के अधीन, जो तत्समय प्रवृत्त है, प्रथम

\*भारत के राजपत्र असाधारण, भाग II - खण्ड 3 - उप-खण्ड (i) - सं.298 दिनांक 01.06.2010 में प्रकाशित का.आ.457(अ) दिनांक 28.05.2010 के अनुसार संशोधित।

\*\*भारत के राजपत्र, भाग II - खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii) दिनांक 15.01.2011 में प्रकाशित का.आ.136 दिनांक 31.12.2010 के अनुसार संशोधित।

श्रेणी के सरकारी सेवक को अनुज्ञेय उच्चतम दरों पर यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता लेने का हकदार होगा:

परन्तु संसद के सदस्यों को यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते का संदाय, संसद सदस्य वेतन, भत्ता और पेंशन, अधिनियम 1954 के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(2) बोर्ड द्वारा उसकी किसी तदर्थ समिति या किसी अन्य समिति में सेवा करने के लिए या बोर्ड के किसी अन्य कारोबार में सम्मिलित होने के लिए विशेष रूप से नाम निर्दिष्ट किसी केन्द्रीय या राज्य सरकार के पदधारी द्वारा कोई यात्रा की जाने की दशा में, बोर्ड उसे अनुज्ञेय यात्रा और दैनिक भत्तों का संदाय उन दरों पर करेगा जो उसे, उस सरकार के, जिस में वह तत्समय नियोजित है, नियमों के अधीन अनुज्ञेय है।

(3) बोर्ड या उसकी समिति के किसी सदस्य या बोर्ड द्वारा सहयुक्त किसी अन्य व्यक्ति या उसकी समिति से सहयोजित किसी व्यक्ति को तब तक कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक वह यह प्रमाणित नहीं कर देता कि उसने उस यात्रा और विराम की बाबत, जिसके लिए दावा किया गया है, किसी अन्य स्रोत से यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं लिया है।

(4) यात्रा भत्ता, इन नियमों के अधीन हकदार किसी सदस्य को या किसी व्यक्ति को, उसके प्राथिक निवास स्थान से बोर्ड या उसकी समिति के किसी अधिवेशन के स्थान तक के लिए या उस स्थान तक के लिए जहाँ वह कारोबार में सम्मिलित होने के लिए जाता है और वहाँ से अपने निवास स्थान तक वापस आने के लिए संदेय होगा:

परन्तु यदि यात्रा, उसके प्राथिक निवास स्थान से भिन्न किसी स्थान से प्रारंभ होती है या वापसी यात्रा वहाँ पर समाप्त होती है तो यात्रा भत्ता, उस रकम तक, जो उसे तब संदेय होती जब यात्रा उसके प्राथिक निवास स्थान से प्रारंभ या वहाँ पर समाप्त होती या की गई वास्तविक यात्रा की बाबत संदेय रकम तक, इनमें जो

भी कम है, परिसीमित रहेगी:

परन्तु यह और कि, अध्यक्ष, विशेष परिस्थितियों में और केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से, किसी सदस्य को उसके प्राथिक निवास स्थान से भिन्न स्थानों से भी यात्रा भत्ता अनुदत्त कर सकता है।

(5) अध्यक्ष, बोर्ड या उसकी किसी समिति के सदस्य के या बोर्ड से सहयुक्त किसी व्यक्ति या किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोजित किसी व्यक्ति के यात्रा और दैनिक भत्ते के प्रयोजन के लिए, नियंत्रक अधिकारी होगा।

**13. सवारी भत्ता:-** बोर्ड या बोर्ड की किन्हीं समितियों के अधिवेशनों से सम्मिलित होने के लिए या बोर्ड के किसी अन्य कारबार में सम्मिलित होने के लिए उन सदस्यों या व्यक्तियों को, जो यात्रा या दैनिक भत्ते लेते हैं, कोई सवारी भत्ता संदत्त नहीं किया जाएगा:

परन्तु ऐसे किसी सदस्य या व्यक्ति को, जिसका निवास उस स्थान पर है जहाँ बोर्ड या किसी समिति का अधिवेशन होता है या जहाँ बोर्ड के किसी अन्य कारबार का संव्यवहार किया जाता है, उसके द्वारा सवारी पर उपगत वास्तविक व्यय, अधिक से अधिक दस रुपए प्रतिदिन के अधीन रहते हुए, संदत्त किया जा सकता है।

**14. फीस का संदाय:-** बोर्ड से सहयुक्त किसी व्यक्ति को या बोर्ड की किसी समिति में सदस्य के रूप में सहयोजित किसी व्यक्ति को; बोर्ड के उद्देश्यों के अग्रसर करने में या अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों के अनुपालन में, यदा कदा होनेवाले या आन्तरायिक प्रकृति के किसी विशेष कार्य के लिए फीस के रूप में 1000 रुपए तक का संदाय किया जा सकता है:

परन्तु फीस की अनुज्ञेयता और उसकी मात्रा, प्रत्येक मामले में, केन्द्रीय सरकार द्वारा विरचित नियमों और आदेशों के अनुसार विनिश्चित की जाएगी:

परन्तु यह और कि, एक व्यक्ति को एक वर्ष में 1000 रुपए से ऊपर फीस, केवल केन्द्रीय सरकार के

पूर्वानुमोदन से ही, मंजूर की जा सकती है।

**15.** भारत से बाहर की गई यात्रा के लिए यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ते आदि:- बोर्ड या किसी समिति के किसी सदस्य को या बोर्ड से सहयुक्त किसी व्यक्ति को या किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोजित किसी व्यक्ति को, भारत से बाहर की गई किसी यात्रा के लिए कोई यात्रा भत्ता संदत्त नहीं किया जाएगा:

परन्तु यह कि यदि बोर्ड या किसी समिति का कोई सदस्य, केन्द्रीय सरकार की पूर्व सहमति से, बोर्ड के हित में भारत से बाहर यात्रा करता है तो वह, ऐसी दरों पर, यात्रा और अन्य भत्ते पाने का हकदार होगा जिन पर केन्द्रीय सरकार भारत से बाहर भेजे जानेवाले किसी प्रतिनिधि मंडल के अशासकीय सदस्य को समय-समय पर मंजूर कर सकती है।

#### अध्याय 4

#### बोर्ड और उसका स्थापन

**16.** बोर्ड का स्थापन:- (1) बोर्ड, निधि की उपलभ्यता के अधीन रहते हुए या तो उस प्रयोजनार्थ एक विनिर्दिष्ट बजट उपबन्ध द्वारा या किसी समुचित शीर्षक के अधीन बचत द्वारा या विधिमान्य पनर्विनियोजन द्वारा धारा 7 की उपधारा (6) के अधीन तथा उस उद्देश्य के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित स्टाफ विनियम के अनुसार यथा उपबन्धित पद मंजूर कर सकता है किन्तु यह तब जब उसकी राय में ऐसे पदों का सृजन उसके कृत्यों के दक्षतापूर्ण अनुपालन के लिए आवश्यक समझा जाता है:

परन्तु ऐसे कोई पद, जिनका अधिकतम वेतन या वेतनमान 1300 रुपए प्रतिमास से अधिक है, केन्द्रीय सरकार की मंजूरी के बिना न तो सृजित किए जाएंगे और न उन पर नियुक्तियाँ की जाएगी।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए,

\*(क) अध्यक्ष समूह "ग" पदों पर नियुक्ति कर सकता है;

(ख) अध्यक्ष, समूह "घ" पदों पर भी नियुक्तियाँ कर सकेगा।

**17.** पदों का उत्सादन:- बोर्ड ऐसा कोई भी पद, जिसे वह सृजन करने के लिए सक्षम है उत्सादित कर सकता है।

**18.** सीधी भर्ती द्वारा पदों का भरा जाना:- अधिकारियों की पंक्ति की ऐसी सभी रिक्तियाँ, जिनका अधिकतम वेतन या वेतनमान 1200 रुपए प्रतिमास से अधिक है या तकनीकी पद के रूप में वर्गीकृत अन्य पद, जिन्हें सीधी भर्ती द्वारा भरा जाना है, विज्ञापित किए जाएंगे और अन्य पदों की सभी रिक्तियाँ, सम्बन्ध केन्द्रीय सरकार के अधीन रिक्तियों की बाबत तत्समय प्रवृत्त नियमों और विनियमों के अनुसार स्थानीय रोजगार कार्यालय और अन्य अधिकरणों को अधिसूचित की जाएगी और नियुक्तियाँ यथास्थिति, विज्ञापन के अनुसरण में आवेदन करने वाले या रोजगार कार्यालय द्वारा सिफारिश किए गए अभ्यर्थियों में से, की जाएंगी।

**19.** प्रोन्नति द्वारा पदों का भरा जाना:- अध्यक्ष, नियम 16 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट प्रवर्गों के पदों की बाबत प्रोन्नति द्वारा रिक्तियाँ भरते समय, ऐसे पदों पर प्रोन्नति के लिए पात्र सभी अभ्यर्थियों के दावों पर विचार करेगा।

**20.** वेतन, छुट्टी, भत्ते आदि:- बोर्ड द्वारा नियुक्त सभी कर्मचारियों की बाबत वेतन, छुट्टी, भत्ते, पेंशन और सेवानिवृत्ति फायदे, सेवा की अन्य शर्तें और अन्य सुविधाएं और रियायतें, जैसे वेतन अग्रिम, वाहन क्रय करने के लिए, भवन के सन्निर्माण के लिए और अन्य ऐसे ही

\*भारत के राजपत्र, भाग II - खण्ड 3 - उप खण्ड (ii) दिनांक 15.01.2011 में प्रकाशित का.आ.136 दिनांक 31.12.2010 के अनुसार संशोधित

कार्यों के लिए अग्रिम, तब तक केन्द्रीय सरकार के उन स्थानों पर तैनात तत्समान श्रेणियों या स्तरों के अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्समय लागू ऐसे नियमों और विनियमों के अनुसार विनियमित किए जाएंगे जब तक कि बोर्ड पृथक विनियम नहीं बना लेता।

**21. तैनाती और स्थानान्तरण:-** बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनाती और स्थानान्तरण, अध्यक्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित स्टाफ विनियम के अनुसार करेगा परन्तु अध्यक्ष, अपनी यह शक्ति बोर्ड के अन्य अधिकारियों को, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह ठीक समझे, प्रत्यायोजित कर सकता है।

**22. व्यक्तियों को विदेश भेजना:-** बोर्ड, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना अपने किसी अधिकारी या अपने किसी सदस्य को विदेश नहीं भेजेगा।

## अध्याय 5

### बोर्ड, उसके अध्यक्ष और उसके सचिव की शक्तियाँ

**23. व्यय उपगत करने की शक्ति:-** (1) बोर्ड, अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के और केन्द्रीय सरकार द्वारा राजस्व और व्यय के संबन्ध में विरचित नियमों और जारी किए गए आदेशों के, जो तत्समय प्रवृत्त हों, अधीन रहते हुए, बजट में उपबंधित पदों पर तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा मंजूर की गई रकम के भीतर ऐसा व्यय उपगत कर सकता है जो वह ठीक समझे।

(2) बोर्ड उपशीर्षों और व्यय शीर्षों के बीच पुनर्विनियोजन कर सकता है।

(3) बोर्ड किसी मद पर, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना, भारत के बाहर कोई व्यय उपगत नहीं कर सकता है।

**24. संविदाएँ:-** बोर्ड अधिनियम के अधीन उसे न्यस्त कृत्यों के निर्वहन के लिए कोई भी संविदा कर सकता है:-

परन्तु -

(क) ऐसी प्रत्येक संविदा के लिए, जिसका विस्तार तीन वर्ष की अवधि से अधिक है या जिसमें एक लाख रुपए से अधिक का व्यय अन्तर्विलित है; और

(ख) फर्मों या विदेशी सरकारों से तकनीकी सहयोग या उनकी परामर्श-सेवा के लिए किए गए प्रत्येक करार या संविदा के लिए, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी अपेक्षित होगी।

(2) संविदाएँ तब तक बोर्ड पर आबद्धकारी नहीं होंगी जब तक कि उन्हें अध्यक्ष या बोर्ड द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी निष्पादित नहीं करता है।

(3) अध्यक्ष या बोर्ड का कोई अधिकारी या उसका कोई सदस्य बोर्ड द्वारा निष्पादित किसी हस्तान्तरण पत्र या संविदा को अधीन व्यक्तिगत रूप से दायी नहीं होगा और ऐसे हस्तान्तरण पत्रों या संविदाओं के अधीन उत्पन्न होनेवाले किसी भी दायित्व को बोर्ड के व्ययाधीन धन में से चुकाया जाएगा।

**25. शक्तियों का प्रत्यायोजन:-** (1) बोर्ड को, किसी समिति को ऐसी शक्तियाँ जो वह ठीक समझे, प्रत्यायोजित करने की शक्ति है।

(2) बोर्ड द्वारा नियुक्त प्रत्येक समिति, या अधिनियम के अधीन उसके द्वारा उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग, ऐसे अनुदेशों, निदेशों या परिसीमाओं के, यदि कोई हैं, जो बोर्ड के संकल्प द्वारा परिनिश्चित की जाएं, अधीन रहते हुए करेगी और प्रत्येक समिति के सभी कार्य बोर्ड के नियंत्रणाधीन होंगे और बोर्ड ऐसे किसी भी कार्य को, रद्द, निलम्बित या उपान्तरित जैसा वह ठीक समझे, कर सकता है।

**26. शक्तियों के प्रत्यायोजन पर निबन्धन:-** बोर्ड निम्नलिखित में से कोई भी शक्ति, किसी समिति को प्रत्यायोजित, नहीं करेगा -

- (क) किसी एकल मद की बाबत 20000 रुपए से अधिक का अनावर्ती व्यय और ऐसा आवर्ति व्यय जिसमें किसी एकल मद पर एक वर्ष के भीतर 20000 रुपए से अधिक की लागत अन्तर्विलित है, मंजूर करने की शक्ति;
- (ख) बोर्ड की ओर से बोर्ड का बजट प्राक्कलन अंगीकार करने की शक्ति;
- (ग) किसी एकल मद के मामले में 2500 रुपए से अधिक की प्राक्कलित बचत के पुनर्विनियोजन की शक्ति; और
- (घ) धारा 7 के अधीन पदों के सृजन की शक्ति।

**27. साधारण वित्तीय संव्यवहार:-** इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, केन्द्रीय सरकार के तत्समय प्रवृत्त केन्द्रीय खजाना नियम, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 के उपबन्ध और साधारण वित्तीय नियम, 1963, ऐसे उपान्तरों या अनुकूलनों के अधीन जो बोर्ड केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से उनमें करें, बोर्ड के सभी वित्तीय संव्यवहारों को लागू होंगे।

**28. अध्यक्ष की शक्तियाँ और कर्तव्य:-** (1) अध्यक्ष बोर्ड के मुख्य कार्यपालक के रूप में, अधिनियम के अधीन उपबन्धित रूप में, बोर्ड के उचित रूप में कार्य करते रहने के लिए, बोर्ड की नीतियों के कार्यान्वयन के लिए और उसके कृत्यों के निर्वहन के लिए तथा इन नियमों और बोर्ड द्वारा विरचित विनियमों के अधीन कर्तव्यों के लिए जिम्मेदार होगा।

(2) अध्यक्ष की यह जिम्मेदारी होगी कि वह यह सुनिश्चित करे कि उपनियम (1) के अधीन कृत्यों और कर्तव्यों का निष्पादन करने में बोर्ड, राज्य सरकारों, संघ और अन्य अभिकरणों, संस्थानों और प्राधिकरणों जैसे कि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, कयर बोर्ड, नारियल उगानेवाले राज्यों में कृषि विश्वविद्यालयों, केरल राज्य नारियल विकास निगम और नारियल उद्योग से संबद्ध अन्य संस्थानों तथा संगठनों से निकट सम्पर्क में कार्य करता

है और एक ही कार्य को दुबारा करने से बचता है। अध्यक्ष की यह भी जिम्मेदारी होगी कि वह यह सुनिश्चित करे कि उपनियम (1) के अधीन कृत्यों और कर्तव्यों के कार्यान्वयन में, छोटे किसानों और उत्पादकों के हितों के संरक्षण के लिए इस प्रकार समुचित अध्यापय किए जा रहे हैं जिससे कि वे भी, नारियल उद्योग के विकास और संवर्धन में भाग ले सकें और उसमें फायदाग्राही हो सकें।

(3) अध्यक्ष, इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, इस नियम के अधीन, अपनी शक्तियों का प्रत्यायोजन बोर्ड के किसी अन्य अधिकारी को कर सकता है।

(4) अध्यक्ष को बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी मंजूर करने की शक्ति है और वह अपनी इस शक्ति का प्रत्यायोजन बोर्ड के किसी अन्य अधिकारी को, ऐसी शर्तों के, जो वह ठीक समझे, अधीन रहते हुए कर सकता है।

(5) अध्यक्ष बोर्ड के सभी विभागों और अधिकारियों पर, जिनके अन्तर्गत मुख्य नारियल विकास अधिकारी और सचिव भी है, प्रशासनिक नियंत्रण रखेगा।

(6) अध्यक्ष को -

- (i) अधिनियम या इन नियमों के अधीन अपेक्षित रूप में या बोर्ड के किसी भी कृत्य के उचित निर्वहन के लिए आवश्यक समझे जाने पर, भण्डार और कारबार संबन्धी दस्तावेजों और अभिलेखों को मंगाने की, और लेखाओं तथा स्थानों को निरीक्षण करने या करवाने की -
- (ii) बोर्ड के कार्यालय के अनुरक्षण और कार्यकरण के लिए, नियम 28 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, आकस्मिकताओं/पूर्ति और सेवाओं के लिए तथा वस्तुएँ क्रय की जाने के लिए, व्यय मंजूर करने की; और
- (iii) धारा 10 के अधीन उपबन्धित रूप में, अधिनियम के उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिए उपाय करने की शक्ति प्राप्त है।

(7) अध्यक्ष, लिखित आदेश द्वारा, उपनियम (6) के अधीन अपनी किसी भी शक्ति का बोर्ड के किसी अधिकारी को प्रत्यायोजन कर सकता है।

(8) अध्यक्ष को, बोर्ड या उसकी किसी समिति के, यथास्थिति, बोर्ड या उस समिति द्वारा किए गए किसी विनिश्चय के अनुसरण में, उस समय के कोई कार्रवाई करने से रोकने की शक्ति है जब तक ऐसे विनिश्चय पर केन्द्रीय सरकार को निर्देश लम्बित है।

(9) यदि बोर्ड या उसकी किसी समिति द्वारा किसी मामले का निपटारा किया जाना है और उस मामले की बाबत, बोर्ड या समिति का अधिवेशन होने तक या संबद्ध कागजातों के बोर्ड या समिति के सदस्यों के बीच परिचालन तक विनिश्चय की प्रतीक्षा नहीं की जा सकती है तो अध्यक्ष ऐसे मामले पर स्वयं अपेक्षित विनिश्चय कर सकेगा।

(10) यदि अध्यक्ष ऐसा विनिश्चय करता है तो वह उसे, यथास्थिति बोर्ड या समिति के अनुसमर्थन के लिए उसके आगामी अधिवेशन में प्रस्तुत करेगा:

परन्तु यदि बोर्ड या समिति, अध्यक्ष द्वारा किए गए विनिश्चय को उपांतरित करती है या उसे निष्प्रभाव कर देती हैं तो ऐसा उपांतर या निष्प्रभावन इस प्रकार के उपांतरण या निष्प्रभावन के पूर्व किए गए किसी कार्य की विधिमान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

**29. उपाध्यक्ष की शक्तियाँ और कर्तव्य:-** उपाध्यक्ष, अध्यक्ष की अनुपस्थिति में, बोर्ड या उसकी समितियों के अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा और अध्यक्ष की ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का पालन करेगा जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे।

**30. मुख्य नारियल विकास अधिकारी की शक्तियाँ और कर्तव्य:-** मुख्य नारियल विकास अधिकारी, अध्यक्ष के अधीन, बोर्ड के तकनीकी पक्ष के प्रधान के रूप में कृत्य करेगा और ऐसी शक्तियों का प्रयोग तथा ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे।

**31. सचिव की शक्तियाँ और कर्तव्य:-** (1) सचिव बोर्ड या उसकी समितियों द्वारा किए गए विनिश्चयों के क्रियान्वयन के लिए और अधिनियम या इन नियमों द्वारा उस पर अधिरोपित कर्तव्यों के निर्वहन के लिए जिम्मेदार होगा।

(2) ऐसी शक्तियों और कर्तव्यों के अधीन रहते हुए, जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे, सचिव -

(क) सभी महत्वपूर्ण कागजात और मामले बोर्ड के समक्ष यथासाध्य शीघ्र प्रस्तुत कराएगा;

(ख) बोर्ड के विनिश्चयों के कार्यान्वयन की रीति के संबंध में निदेश जारी करेगा;

(ग) इस अधिनियम के अधीन प्राप्त सभी रकमों के लिए बोर्ड की ओर से रसीद अनुदत्त करेगा;

(घ) बोर्ड की प्राप्तियों और व्यय का एक लेखा और अधिनियम या इन नियमों के अधीन बोर्ड के लिए विहित विभिन्न रजिस्टर भी रखेगा; या रखाएगा;

(ङ) बोर्ड के कामकाज पर एक वार्षिक प्रारूप रिपोर्ट बोर्ड के समक्ष, उसके अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करेगा और बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रारूप में केन्द्रीय सरकार को, उस सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर विनिर्दिष्ट तारीखों के अनुसार संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखे जाने के लिए, रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा; और

(च) सभी प्रशासनिक मामलों और ऐसे अन्य कृत्यों के निर्वहन में जिनके बारे में अध्यक्ष निदेश दे, अध्यक्ष की सहायता करेगा।

## अध्याय 6

### बोर्ड का वित्त, बजट अद्वैत लेखा

**32. बजट प्राक्कलन:-** (1) बोर्ड, प्रति वर्ष आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बजट प्राक्कलन और चालू वर्ष के लिए प्रतिरीक्षित प्राक्कलन तैयार करेगा और उसे केन्द्रीय सरकार को, उस सरकार द्वारा नियत की गई तारीख को



या उससे पूर्व, मंजूरी के लिए प्रस्तुत करेगा। मंजूर होने के पश्चात पुनरीक्षित बजट मूल बजट को अधिक्रान्त कर देगा और वह वर्ष के लिए मंजूर किया गया बजट समझा जाएगा।

(2) कोई भी व्यय तब तक उपगत नहीं किया जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार बजट मंजूर नहीं कर देती और व्यय के लिए सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी अभिप्राप्त नहीं हो जाती।

(3) बजट ऐसे अनुदेशों के अनुसार, जो समय-समय पर जारी किए जाए, और ऐसे प्रारूप में जैसा केन्द्रीय सरकार निदेश दे, तैयार किया जाएगा। इसमें निम्नलिखित का कथन किया जाएगा।

- (i) प्राक्कलित आदि अतिशेष;
- (ii) अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट प्राक्कलित प्राप्ति; और
- (iii) निम्नलिखित शीर्षों और उपशीर्षों के या ऐसे अन्य शीर्षों और उपशीर्षों के, जैसा कि केन्द्रीय सरकार निदेश दे, अधीन वर्गीकृत प्राक्कलित व्यय, अर्थात्-

#### शीर्षः

- (क) प्रशासन;
- (ख) नारियल - उत्पादन विकास, जिसके अन्तर्गत नारियल उगानेवालों के बीच सहकारिता के प्रयासों का उन्नयन और खेती के समुन्नत तरीकों के लिए सहायता भी है;
- (ग) नारियल और उसके उत्पादों के लिए विपणन, जिसके अन्तर्गत श्रेणीकरण भी है, सुविधाओं का समुन्नयन;
- (घ) नारियल और उसके उत्पादों पर अनुसंधान;
- (ङ) विस्तारण क्रियाकलाप, जिसके अन्तर्गत प्रचार और प्रसार भी है;
- (च) सांख्यिकी;
- (छ) संकर्म; और
- (ज) प्रकीर्ण।

#### उपशीर्षः

- (क) वेतन;
  - (ख) मज़दूरी;
  - (ग) यात्रा व्यय;
  - (घ) कार्यालय व्यय;
  - (ङ) मशीनरी और उपस्कर;
  - (च) सामग्री और प्रदाय;
  - (छ) किराया, दर और कर;
  - (ज) प्रकाशन; और
  - (झ) अन्य प्रभार।
- (iv) आगामी वित्तीय वर्ष के लिए क्रियाकलापों का कार्यक्रम।

(4) व्यय के अनुपूरक प्राक्कलन, यदि कोई है, केन्द्रीय सरकार को उसकी मंजूरी के लिए ऐसे प्रारूप में और ऐसी तारीखों को, जैसे केन्द्रीय सरकार इस निमित्त निदेश दें प्रस्तुत किए जाएंगे।

**33. बोर्ड का लेखा:-** (1) बोर्ड प्रत्येक वर्ष से संबंधित सभी प्राप्तियों और व्ययों का लेखा रखेगा और अभिलेख इस प्रकार रखेगा कि प्रतिवर्ष प्राप्ति और संदाय लेखा, आय और व्यय लेखा और तुलन-पत्र तैयार किए जा सकें। वे लेखे बोर्ड अनुमोदित करेगा और संपरीक्षक को प्रस्तुत किए जाएंगे।

(2) ऊपर मद (1) में उल्लिखित रूप में बोर्ड के वार्षिक लेखे तथा उस पर संपरीक्षक की रिपोर्ट, अधिनियम की धारा 15(4) के अधीन उपबंधित रूप में, प्रतिवर्ष, वर्ष की समाप्ति के पश्चात् और किसी भी दशा में, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट तारीखों से पूर्व, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखे जाने के लिए, यथासंभव शीघ्र, केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत किए जाएंगे।

(3) इस नियम में अन्तर्विष्ट किसी बात पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड, प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् केन्द्रीय सरकार को, इसके द्वारा विनिश्चित प्रारूप में एक रिपोर्ट अधिक से अधिक 30 जून तक प्रस्तुत करेगा जिसमें पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान बोर्ड के क्रियाकलापों, नीति और कार्यक्रमों का सही और पूर्ण उल्लेख किया जाएगा।

**34. बोर्ड की निधियों का बैंक में निक्षेप और ऐसी निधियों का विनिधान:-** (1) खुदरा नकदी और अधिशेष धन को छोड़कर बोर्ड के चालू व्यय के लिए अपेक्षित धन, भारतीय स्टेट बैंक या अन्य किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में चालू खाते में रखा जाएगा और अपेक्षानुसार उसमें से लेनदेन किया जाएगा तथा व्यय, उसकी मंजूरी के पश्चात् ही, इस खाते से धन निकाल कर उपगत किया जाएगा।

(2) बोर्ड की पेंशन निधि या भविष्य निधि की राशि जो चालू व्यय के लिए अपेक्षित नहीं है, अनुमत विस्तार तक न्यास प्रतिभूओं या दस वर्षीय खजाना बचत निक्षेप प्रमाणपत्र या राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र या राष्ट्रीय रक्षा प्रमाणपत्रों से अथवा भारतीय स्टेट बैंक में या उसकी किन्हीं समनुषंगियों में या यदि केन्द्रीय सरकार अनुमोदित करे तो, किसी अन्य अनुसूचित बैंक में विनिहित की जा सकेगी।

(3) बोर्ड द्वारा या उसकी ओर से संदाय, नकदी में या बोर्ड के चालू खाते पर लिखी गई चैक द्वारा किया जाएगा।

(4) बोर्ड की निधियों की बाबत ऐसी चैकों और उनके निक्षेप या विनिधान या प्रत्याहरण के या किसी अन्य रीति से उनके व्ययन के लिए सभी आदेशों पर हस्ताक्षर सचिव करेगा और अध्यक्ष या अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उनके द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत बोर्ड का कोई अन्य अधिकारी उस पर प्रतिहस्ताक्षर करेगा।

## अध्याय 7 प्रकीर्ण

**35. रिपोर्ट और विवरणी -** (1) अध्यक्ष या अध्यक्ष द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को निम्नलिखित से, नारियल या नारियल के किसी अन्य उत्पाद की बाबत कोई भी जानकारी या सांख्यिकी मंगाने की शक्ति होंगी:

- (i) नारियल उगानेवालों से,
- (ii) नारियल या खोपरे के, जिसके अन्तर्गत खोपरा पेषण उद्योग भी है, व्यवहारियों से,
- (iii) नारियल उत्पाद के विनिर्माताओं से, और
- (iv) नारियल उद्योग या नारियल उत्पादों के व्यवहार में लगे हुए या किसी प्रकार उससे संबद्ध किसी व्यक्ति या फर्म या कम्पनी या किसी अन्य संस्था से।

(2) बोर्ड अपने क्रियद्राकलापों का एक कार्यक्रम जिसके अन्तर्गत प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए विकास-कार्यक्रम भी है, अग्रिम रूप में प्रस्तुत करेगा; यह कार्यक्रम हर दशा में चालू वित्तीय वर्ष के 31 दिसंबर तक अवश्य प्रस्तुत कर दिया जाए।

(सं.एफ.12(16)/78-सी.ए.-I)  
आर.सी. सूद, अपर सचिव